हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 15 सितम्बर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

सेवा और सुशासन के मंत्र के अनुसार सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई में देश में बदलाव लाने और देश की प्रगति के लिए अनथक प्रयास कर रही है। इस विशेष शृंखला सेवा पर्व में हम आपको बताएंगे कि मोदी सरकार ने किस तरह से पर्यावरण और जैविक विभिन्नता को बचाने के लिए काम किया है। प्राचीन वैदिक ज्ञान कि पृथ्वी हमारी माँ है और हम इसके बच्चे हैं। भारत की पर्यावरण के साथ मित्र भाव से चलने की यात्रा एक जीवंत उदाहरण है । पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतरत्व में इस प्राचीन ज्ञान को धरातल पर उतारा गया है। प्रोजेक्ट टाइगर से लेकर प्रोजेक्ट लायन और फिर प्रोजेक्ट चीताह तक राष्ट्र ने लुप्त हो रही प्रजातियों को फिर से संरक्षित किया है और उनके रहने के लिए अभ्यारन तयार किए हैं। भारत में आज जंगली चीतों की आबादी विश्व में सबसे ज्यादा है और एशियाई शेरों की आबादी भी बढ़कर 891 होगई है जो पिछले एक दहाके में 70 प्रतिशत की वृद्धि इंगित करती है। देश में अग्रभूमि की तरफ भी ध्यान दिया जा रहा है। भारत में इस समय 91 रामसर जगह हैं जहां पे प्रवासी पक्षी देखने को मिलते हैं। वास्तविकता में “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के तहत 142 करोड़ से ज्यादा पेड़ भी लगाए गए हैं। देश में वन क्षेत्र में भी तेजी से वृधि हुई है।

****

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा है कि अंबाला छावनी क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए साहा औद्योगिक क्षेत्र के साथ लगती लगभग 2600 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र ही पुनः शुरू की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अंबाला के उपायुक्त को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पुनः शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। चुनावों के कारण यह प्रक्रिया रुक गई थी, जिसे अब तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित भूमि पर नया औद्योगिक क्षेत्र और लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जाएगा। इसके पास ही रेलवे द्वारा फ्रेट टर्मिनल बनाने की प्रक्रिया भी चल रही है।प्रगति पर है। इस तरह औद्योगिक क्षेत्र, लॉजिस्टिक पार्क और फ्रेट टर्मिनल एक साथ विकसित होने से न केवल उद्यमों को समग्र सुविधाएं उपलब्ध होंगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक □ांचा मजबूत होगा और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।

****

औद्योगिक संस्थाओं ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का गर्मजोशी से स्वागत किया है। ये सुधार 22 सितम्बर से लागू होने जा रहे हैं और उद्योग जगत ने इसे दिवाली से पहले मिला बड़ा तोहफ़ा बताया है। फरीदाबाद मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के महासचिव रमणीक प्रभाकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा –उनका कहना है कि नए जीएसटी सुधारों से उद्योगपतियों, कच्चा माल सप्लाई करने वालों और मजदूर वर्ग सभी को लाभ होगा। इससे टैक्स प्रक्रिया सरल होगी, कारोबारियों का बोझ कम होगा और उत्पादन लागत घटेगी। श्री प्रभाकर ने कहा कि प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह एक बड़ा कदम है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश वैश्विक चुनौतियों का □टकर सामना कर रहा है। औद्योगिक संगठनों का कहना है कि ये सुधार ईज ऑफ □इंग बिज़नेस को और मज़बूत करेंगे, रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे और भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

****